VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS
+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(02 April 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- अमेरिकी 'पारस्परिक टैरिफ' योजना के बीच भारत- अमेरिका 'द्विपक्षीय व्यापार समझौते' की दिशा में प्रगति
- भारत और चिली 'व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते' के लिए वार्ता शुरू करने पर सहमत
- भारत-चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ
- MCQ

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

अमेरिकी 'पारस्परिक टैरिफ' योजना के बीच भारत- अमेरिका 'द्विपक्षीय व्यापार समझौते' की दिशा में प्रगति:

चर्चा में क्यों हैं?

- 2 अप्रैल को अमेरिकी पारस्परिक टैरिफ लागू होने से एक दिन पहले, प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के हस्तक्षेप के बाद भारत ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता (BTA) के लिए संदर्भ की शर्तों (ToR) पर सहमति व्यक्त की है। वार्ता की रूपरेखा निर्धारित करने वाले ToR को चार दिनों की वार्ता के बाद अंतिम रूप दिया गया, जिसमें भारत से अमेरिकी व्यापार रियायतों के बदले अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ कम करने की उम्मीद है।
- उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ कम करने की भारत की इच्छा का संकेत दिया, जिसमें अमेरिका द्वारा लगाए गए व्यापार अवरोधों से संभावित राहत का सुझाव दिया गया।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) को लेकर संदेह के बादल:

- इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि (USTR) ने भारत की व्यापार नीतियों के बारे में कई चिंता जताईं, जिनमें इंटरनेट शटडाउन, कृषि आयात प्रतिबंध और डेयरी विनियमन शामिल हैं।
- वहीं दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञ अजय श्रीवास्तव ने आगाह किया कि भारत को वैश्विक व्यापार सुधारों में शामिल होना चाहिए, लेकिन उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी बदलाव राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, विकास लक्ष्यों और सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप हो। उन्होंने निष्पक्ष और पारस्परिक वार्ता, छोटे किसानों की सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और डिजिटल शासन की आवश्यकता पर जोर दिया।

USTR रिपोर्ट: भारत की व्यापार नीतियों पर प्रमुख चिंताएँ

- USTR की रिपोर्ट में भारत की विभिन्न व्यापार बाधाओं की आलोचना की गई है, जिनमें स्थानीय इंटरनेट शटडाउन, डेयरी उत्पादों के लिए कड़े आयात नियम, और आनुवंशिक रूप से संशोधित (GM) मुक्त प्रमाणपत्र की अनिवार्यता शामिल है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- इस रिपोर्ट ने दूध, सूअर का मांस और मछली उत्पादों के आयात पर भारत के नियमों को चिन्हित किया, जिसमें कहा गया कि उन्हें "वैज्ञानिक या जोखिम-आधारित औचित्य प्रदान किए बिना" आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) मुक्त प्रमाणपत्र की आवश्यकता है।
- **बौद्धिक संपदा (IP) चिंताएँ:** असंगत प्रगति के कारण भारत को 'प्राथमिकता निगरानी सूची' में रखा गया है। पेटेंट अनुदान में देरी और व्यापार रहस्यों की सुरक्षा के लिए विशेष कानूनों की कमी को प्रमुख मुद्दों के रूप में उजागर किया गया है।
- **मूल्य नियंत्रण:** अमेरिका ने कोरोनरी स्टेंट और घुटने के प्रत्यारोपण की कीमतों पर भारत की नियंत्रण नीति पर आपत्ति जताई, यह तर्क देते हुए कि यह मुद्रास्फीति और उत्पादन लागत के अनुरूप नहीं है, जिससे अमेरिकी कंपनियां भारतीय बाजार में निवेश करने से हतोत्साहित हो सकती हैं।
- इस रिपोर्ट में यह भी संकेत दिया गया कि अमेरिका को एक और चीन के उभरने की आशंका है और इसलिए वह भारत की व्यापार नीतियों पर विशेष ध्यान दे रहा है।

भारत और चिली 'व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते' के लिए वार्ता शुरू करने पर सहमत:

परिचय:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 अप्रैल को नई दिल्ली में चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट के साथ एक प्रेस वार्ता के दौरान घोषणा की कि भारत और चिली महत्वपूर्ण खनिजों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक 'व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (CEPA)' पर बातचीत शुरू करने के लिए तैयार हैं।
- प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में चिली के साथ अपने सकारात्मक अनुभव साझा करने के लिए तैयार है।
- ध्यातव्य है कि चिली के राष्ट्रपति गैब्रिएल बोरिक फॉण्ट 1 से 5 अप्रैल तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं, जिसके दौरान वे मुंबई और बेंगलुरु में उद्योग जगत के नेताओं से भी मिलेंगे।

महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने में चिली का महत्व:

- इस वार्ता के दौरान केंद्रीय खनन मंत्री जी किशन रेड्डी और चिली की खनन मंत्री ऑरोरा विलियम्स ने खनन क्षेत्र में द्विपक्षीय भागीदारी की संभावनाओं को तलाशने के लिए भी मुलाकात की।
- उल्लेखनीय है कि लिथियम और तांबे (इलेक्ट्रिक वाहन (EV) बैटरी के लिए प्रमुख इनपुट) के दुनिया के सबसे बड़े भंडार का घर चिली वैश्विक महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- भारत को चिली के आधे से अधिक निर्यात में तांबे के अयस्क और अपरिष्कृत तांबा और तांबे के स्क्रैप शामिल हैं, इसके बाद मोलिब्डेनम अयस्क शामिल हैं।
- चूंकि भारत में लिथियम-आयन बैटरी का निर्माण अभी भी अपने शुरुआती चरण में है, इसलिए भारत चिली से कोई लिथियम आयात नहीं करता है।

भारत-चिली व्यापार संबंध:

- उल्लेखनीय है कि चिली दक्षिण अमेरिका में भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार 2020 में 1.5 अरब डॉलर से बढ़कर 2024 में 3.8 अरब डॉलर हो जाएगा। 2024 में, भारत से निर्यात 1.2 अरब डॉलर और चिली से आयात 2.6 अरब डॉलर रहा।

- भारत से चिली को निर्यात में ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं। भारत से चिली को निर्यात 2009 से लगातार बढ़ रहा है, 2014 में मामूली गिरावट के अपवाद के साथ, जब चिली में डीजल वाहनों पर नए कार्बन टैक्स ने भारत से मोटर वाहन निर्यात को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया, लेकिन बाद में इस क्षेत्र में बड़ी रिकवरी देखी गई।
- वैश्विक मंदी और चिली में घरेलू सामाजिक संकट और श्रमिक अशांति के कारण पिछले कुछ वर्षों में चिली के साथ भारत के व्यापार में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। उसके बाद से व्यापार में तेजी आई है और इसमें मजबूत सुधार हुआ है।

भारत-चिली अधिमान्य व्यापार समझौता:

- भारत और चिली द्वारा संभावित CEPA की घोषणा, जिससे महत्वपूर्ण खनिजों में मुक्त व्यापार की सुविधा मिलने की उम्मीद है, 2016 में भारत-चिली अधिमान्य व्यापार समझौते (PTA) को 474 से 2,829 टैरिफ लाइनों तक विस्तारित करने के उनके समझौते के बाद हुई है।
- अपने चिली समकक्ष के साथ वार्ता के दौरान खनन मंत्री रेड्डी ने कहा कि राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (NCMM) की मंजूरी के साथ, भारत EV, नवीकरणीय

ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने का इच्छुक है।

- भारतीय कंपनियां चिली में ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड खनन निवेशों की खोज करने की भी इच्छुक हैं, जिससे G2G और B2B साझेदारी को मजबूती मिलेगी।
- उल्लेखनीय है कि जुलाई 2024 में, खनन मंत्रालय के तहत एक संयुक्त उद्यम, खनिज बिदेश इंडिया लिमिटेड (KABIL) ने लिथियम ब्लॉक की खोज के लिए चिली की सरकारी स्वामित्व वाली एम्प्रेसा नैशनल डी मिनेरिया (ENAMI) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

चिली के बारे में:

- चिली दक्षिण अमेरिका महाद्वीप का एक देश है। यह दुनिया का सबसे दक्षिणी देश है और अंटार्कटिका के सबसे करीब है, जो एंडीज पर्वत और प्रशांत महासागर के बीच भूमि की एक संकरी पट्टी पर फैला हुआ है।
- चिली उत्तर से दक्षिण तक 4,300 किमी से अधिक फैला हुआ है, जिसकी औसत चौड़ाई 175 किमी है।

- चिली की राजधानी और सबसे बड़ा शहर सैंटियागो है और राष्ट्रीय भाषा स्पेनिश है। इसमें कई तरह की जलवायु और परिदृश्य शामिल हैं। चिली स्थित अटाकामा रेगिस्तान में बहुत सारी खनिज संपदा है, मुख्य रूप से तांबा और नाइट्रेट। अपेक्षाकृत छोटी सेंट्रल वैली, जिसमें सैंटियागो शामिल है, जनसंख्या और कृषि संसाधनों के मामले में महत्वपूर्ण है।

भारत-चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ:

दोनों देशों के मध्य बधाई संदेशों का आदान-प्रदान:

- भारत और चीन के नेताओं, जिनमें राष्ट्रपति शी जिनपिंग, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री ली कियांग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हैं, ने 1 अप्रैल को द्विपक्षीय संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संदेशों का आदान-प्रदान किया।
- चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारतीय राष्ट्रपति को अपने बधाई संदेश में, भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों को 'ड्रैगन-हाथी टैंगो' का रूप देने पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि 2020 के लद्दाख सैन्य गतिरोध के बाद संबंधों को पुनः स्थापित करने के प्रयासों के बीच उनकी यह टिप्पणी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता:

- राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत-चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ को सहयोग और संवाद को गहरा करने का अवसर बताया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

साझेदारी मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय मामलों में समन्वय बढ़ाने और सीमा क्षेत्र में शांति बनाए रखने पर जोर दिया।

- राष्ट्रपति शी ने भारत और चीन को प्राचीन सभ्यताएं और ग्लोबल साउथ के प्रमुख विकासशील देश बताते हुए कहा कि दोनों राष्ट्र अपने आधुनिकीकरण के महत्वपूर्ण चरण में हैं और विश्व शांति व समृद्धि में योगदान देना चाहिए।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी स्थिर, पूर्वानुमानित और मैत्रीपूर्ण संबंधों की वकालत की, जिससे भारत, चीन और दुनिया को लाभ हो। उन्होंने इस वर्षगांठ को द्विपक्षीय संबंधों के मजबूत और स्थिर विकास को आगे बढ़ाने का अवसर बताया।

भारत-चीन द्विपक्षीय संबंध: एक संक्षिप्त अवलोकन

- **राजनयिक संबंधों की स्थापना (1950):** भारत 1 अप्रैल, 1950 को चीन के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाला पहला गैर-समाजवादी ब्लॉक देश बन गया।
- **द्विपक्षीय संबंधों में प्रमुख घटनाक्रम:**
  - ➢ **1962 सीमा संघर्ष:** संबंधों को एक बड़ा झटका।
  - ➢ **1988:** प्रधानमंत्री राजीव गांधी की यात्रा ने सुधार के एक नए चरण को चिह्नित किया।

- ➢ **2003:** प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की यात्रा के कारण संबंधों के सिद्धांतों पर घोषणा हुई और सीमा समाधान के लिए विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की नियुक्ति हुई।
- ➢ **2005:** प्रधानमंत्री वेन जियाबाओ की यात्रा के दौरान शांति और समृद्धि के लिए रणनीतिक और सहकारी साझेदारी की स्थापना।

- **उच्च स्तरीय जुड़ाव (2014-2019):**
  - ➢ **2014:** राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा ने संबंधों को एक करीबी विकासात्मक साझेदारी के रूप में फिर से परिभाषित किया।
  - ➢ **2015:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा ने द्विपक्षीय वार्ता को मजबूत किया।
  - ➢ **पहला अनौपचारिक शिखर सम्मेलन (वुहान, अप्रैल 2018)।**
  - ➢ **दूसरा अनौपचारिक शिखर सम्मेलन (चेन्नई, अक्टूबर 2019)।**
- **हाल की चुनौतियाँ:** पूर्वी लद्दाख में 2020 LAC गतिरोध (गलवान संकट) ने द्विपक्षीय संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। हालांकि तनाव कम करने और संबंधों को सामान्य बनाने के लिए प्रयास जारी हैं।

भारत-चीन के मध्य सीमा गतिरोध हल करने के लिए उच्च स्तरीय बैठकें:

- फरवरी 2025 में, चीन ने घोषणा की कि वह पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध को समाप्त करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह बयान भारत द्वारा अक्टूबर 2024 में डेमचोक और देपसांग के दो घर्षण बिंदुओं पर चीन के साथ समझौते की पुष्टि के बाद आया, जिसमें सैनिकों की वापसी 2020 के गलवान संघर्ष के बाद उत्पन्न तनाव को कम करने का एक प्रयास था।
- उल्लेखनीय है कि द्विपक्षीय संबंध सुधारने के प्रयास में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अक्टूबर 2024 में रूस के कज़ान में मुलाकात की और संवाद तंत्रों को पुनर्जीवित करने पर सहमति जताई।
- इसके बाद, दिसंबर में बीजिंग में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच 23वीं विशेष प्रतिनिधि वार्ता हुई, जिससे डी-एस्केलेशन प्रक्रिया को और मजबूती मिली।
- हाल ही में, 21 फरवरी 2025 को, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में G20 बैठक के दौरान वांग यी से मुलाकात की, जहां दोनों नेताओं ने भू-राजनीतिक चुनौतियों, बहुपक्षीय सहयोग और वैश्विक संघर्षों पर चर्चा की।
- विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, डी-एस्केलेशन योजना तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

MCQs

1. चर्चा में रहे भारत और चिली 'द्विपक्षीय व्यापार संबंधों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. चिली के साथ द्विपक्षीय व्यापार में, भारत को व्यापार घाटा का सामना करना पड़ता है।

2. चिली दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans:(a)

2. हाल ही में 'संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि ने अमेरिकी वस्तुओं को लेकर भारत की व्यापार नीतियों के बारे में कई चिंता जताई हैं। निम्नलिखित में से कौन-सा इन चिंताओं में शामिल नहीं है?

(a) इंटरनेट शटडाउन

(b) बैंकिंग विनियमन

(c) कृषि आयात प्रतिबंध

(d) डेयरी विनियमन

Ans:(b)

3. हाल ही में चिली के राष्ट्रपति गैब्रिएल बोरिक फॉण्ट भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। ऐसे में 'भारत के महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने में चिली के महत्व' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. लिथियम और तांबे के दुनिया के सबसे बड़े भंडार के रूप में चिली भारत के महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
2. चिली द्वारा भारत को किये गए निर्यात में आधे से अधिक तांबे के अयस्क और अपरिष्कृत तांबा और तांबे के स्क्रैप शामिल हैं।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans:(c)

4. चर्चा में रहे चिली देश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) यह दुनिया का सबसे दक्षिणी देश है और अंटार्कटिका के सबसे करीब है।

(b) यह एंडीज पर्वत और प्रशांत महासागर के बीच भूमि की एक संकरी पट्टी पर फैला हुआ है।

(c) यहां स्थित अटाकामा रेगिस्तान में बहुत सारी खनिज संपदा है, मुख्य रूप से तांबा और नाइट्रेट।

(d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

Ans:(d)

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

5. चर्चा में रहे 'भारत-चीन राजनयिक संबंधों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत 1 अप्रैल, 1950 को चीन के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाला दुनिया पहला देश था।
2. 1962 के सीमा संघर्ष के झटके के बाद, 1988 में प्रधानमंत्री राजीव गांधी की यात्रा ने दोनों के संबंधों में सुधार के एक नए चरण को चिह्नित किया।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans:(b)